

कुरुल m. 1) = कुरर Meeradler. — 2) = कुरुल Haarlocke an der Stirn DHAR. im ÇKDR.

कुरुव m: Name einer Pflanze BHĠG. P. 3, 13, 19. = सितमन्दार RĠĠAN. eine rothe Art Barleria ÇABDAR. eine gelbe Art Barleria ÇKDR. angeblich nach H. — Vgl. कुरुवक.

कुरुवक (von कुरुव) m. 1) rother (शोण) Amaranth und eine rothe (शरूण) Art Barleria AK. 2, 4, 2, 54. 55 (nach ÇKDR. hat der Text कुरुवक). H. an. 4, 7. RĠĠAN. im ÇKDR. eine gelbe Art Barleria H. an. — MBH. 13, 635. SUÇR. 1, 137, 20. 2, 277, 15. RAGH. 9, 32. MEGH. 76. RĠ. 6, 18. BHĠG. P. 4, 6, 15. LALIT. 201. (प्रमद्या) अलोक्तिः कुरुवकः कुरुते विकासम् ad KUMĀRAS. 3, 26. neutr. die Blüthe ÇĀK. 131, v. l. MĀLAY. 44. VIKR. 26. MEGH. 66. RĠ. 6, 31. — 2) eine Reis- oder Getraideart SUÇR. 1, 193, 16. — Vgl. कुरुवक.

कुरुस (1. कु + रस्) 1) m. ein berauschendes Getränk HĀR. 170. — 2) f. आ N. einer Pflanze (s. गोत्रिह्वा) ÇABDAR. im ÇKDR.

कुरावन् (1. कु + रावन्) m. ein schlechter König: कुरावात्तानि राष्ट्र-णि PĀNĪKĀT. V, 64.

कुराव्य (1. कु + रा°) n. schlechte Herrschaft, schlechtes Regiment P. 6, 2, 130, VĀRTT. Sch.

कुराल bei Wilson fehlerhaft für कुराह und dieses v. l. für उराह H. 1240.

कुरी f. eine Getraideart (तृणधान्यभेद) RĠĠAN. im ÇKDR.

1. कुरीर n. eine Art Kopfschmuck der Weiber RV. 10, 83, 8. कुरीर-मन्त्र शीर्षणि कुम्भं चाधिनिर्दधमि AV. 6, 138, 3. — Vgl. सुकुरीर.

2. कुरीर n. Beischlaf UP. 4, 33. — Vgl. कुटीर.

कुरीरिन् adj. mit dem कुरीर genannten Kopfschmuck geschmückt AV. 6, 138, 2. von einem Thiere 5, 31, 2.

कुरु (कुरु UP. 1, 24. P. 6, 2, 42, Sch.) m. pl. N. pr. eines Volkes und des von ihm bewohnten Landes NIR. 6, 22. P. 4, 1, 172. Sch. zu 4, 2, 81. H. 946. an. 2, 405. MED. r. 16. LIA. I, 393. कुवृणां च सृज्यानां च पुरो-हित आस ÇĀT. Br. 2, 4, 4, 5. ÇĀNKH. ÇR. 15, 16, 12. VS. p. 306. यमो वैव-स्वतो देवो यस्तवैष हृदि स्थितः । तेन चेद्विवाद्गते मा गङ्गा मा कुव-न्गमः ॥ M. 8, 92. R. 4, 44, 12. BHĠG. P. 5, 16, 8 (ein Varsha). Häufig in Verbindung mit den Pāṇkāla oder Pāṇkāla: ये के च कुरुपञ्चालानां राजानः सवशोशीनराणाम् AIT. Br. 8, 14. ÇĀT. Br. 5, 5, 2, 5. 14, 6, 1, 1. 9, 20; vgl. VS. p. 306. कुरुवः सत्पाञ्चालाः MBH. 8, 2084. आ मत्स्येभ्यः कुरुपाञ्चालदेश्याः 2086. आ पाञ्चालेभ्यः कुरुवः 2100. अर्धोक्ताः कुरुपाञ्चालाः 2106. VP. 176. 183. कुरुपञ्चालत्रा wie bei den K. und P. ÇĀT. Br. 3, 2, 3, 15. कुरुपञ्चाल und कुरुकत die Kuru und Kata verstärken in Ableitungen beide Glieder des comp. nach dem gaṇa अनुशतिकादि zu P. 7, 3, 20. कुरुकुरुक्षेत्रम् das Land der Kuru und Kurukshetra P. 2, 4, 7, Sch. उत्तरकुरुवः oder उत्तराः कुरुवः die nördlichen Kuru, häufig als Land der Glückseligkeit geschildert, TRĠK. 2, 1, 3 (sg. eines der 9 Varsha). Z. f. d. K. d. M. II, 62. fgg. LIA. I, 311. fg. 846. fg. ये के च परेण हि-मवन्तं जनपदा उत्तरकुरुव उत्तरमद्रा इति AIT. Br. 8, 14. अहो स कुरु शरीरेण प्राप्ति ऽस्मि परमां गतिम् । उत्तरान्वा कुवन्पुण्यानथ वाप्यमरावतीम् ॥ MBH. 13, 284. नैवेष्टिकं सर्वगुणोपपन्नं ददाति वै यस्तु नरो द्विजाय । स्वा-ध्यायचारित्रगुणान्विताय तस्यापि लोकाः कुरुपूतरेषु ॥ 2958, 4867. 1, 4722.

3, 14612. HARIV. 8227. 8653. R. (GORA.) 2, 103, 26. 3, 39, 18. 4, 44, 81. fg. SUÇR. 2, 168, 2. VP. 168. bei den Buddhisten LALIT. 22. 122. 143. BURN.

Intr. 177. Ind. St. 3, 160. उत्तरकुरुवः (sic!) RĠĠA-TAR. 4, 173. die nördlichen und südlichen (दक्षिणाः) Kuru MBH. 1, 4346. Der Ahnherr der Kuru ist ein Sohn Saṃvaraṇa's von der Tapati, einer Tochter des Sonnengottes, MBH. 1, 3738. 3791. HARIV. 1799. BHĠG. P. 9, 22, 4. VP. 433. Ein anderer Kuru erscheint als Sohn von Āgnidhra VP. 162. fg. BHĠG. P. 5, 2, 19. Die beiden Brüder Dhṛtarāṣṭra und Pāṇḍu führen als Nachkommen Kuru's denselben Geschlechtsnamen, vorzugsweise aber wird dieser zur Bezeichnung der Partei des ältern Bruders verwendet, so dass derselbe häufig im Gegensatz zu Pāṇḍava erscheint. कुरुनन्दन als Beiw. Arjuna's BHAG. 2, 41. 6, 43. 14, 13. eben so कुरुसत्तन 4, 31. कुरुश्रेष्ठ 10, 19. कुरुप्रवीर 11, 48. कुरुनन्दन von Yudhisṭhira N. 20, 13. 22, 22. कुरुराज nach TRĠK. 2, 8, 13 ein Bein. Durjodhana's, कुरुराज Beiw. Yudhisṭhira's MBH. 16, 7. कुरुवृद्ध von Bhīṣma BHAG. 1, 12. भेदः कुरुपाण्डवयोः MBH. 1, 2234. RĠĠA-TAR. 1, 51. कुर्वै f. eine Fürstin aus dem Stamme der Kuru P. 4, 1, 176. 66. VOP. 4, 29. — Die Lexicographen geben dem Worte noch folgende Bedd. 1) pl. = खिन्नः NAIGH. 3, 18. Nach ÇĀNKH. zu KĀND. UP. 4, 17, 10 ist कुर्वन् = कर्तृन्. aber der Text versteht darunter wahrscheinlich das Volk. — 2) gekochter Reis H. an. MED. — 3) N. einer Pflanze, Solanum Jacquini Willd. (कण्टका-रिका), ÇABDAR. im ÇKDR. — Vgl. कौरव, कौरवक, कौरव्य.

कुरुक m. N. pr. eines Fürsten, v. l. für रुक VP. 373, N. 13.

कुरुकन्दक (कुरु + कन्द) n. Rettig (मूलक) ÇABDAM. im ÇKDR.

कुरुकुला f. N. pr. einer buddhistischen Gottheit SCHIEFNER in Mēl. asiat. II, 179.

कुरुक्षेत्र (कुरु + क्षेत्र) n. das Feld der Kuru, N. pr. einer Gegend: न्युञ्जा इति कृष्येनानेतर्ह्याचक्षते कुरुक्षेत्रे AIT. Br. 7, 30. कुरुक्षेत्रे ऽमी देवा यज्ञं तन्वते ÇĀT. Br. 4, 1, 5, 13. 11, 5, 4, 4. 14, 1, 4, 2. KĀT. ÇR. 24, 6, 34. ÇĀNKH. ÇR. 15, 16, 12. TAITT. ĀR. 5, 1. PĀNĪKĀT. Br. in Ind. St. 1, 34. fg. ÇĀNKH. ebend. 2, 73. कुरुक्षेत्रं च मत्स्याश्च पञ्चालाः प्रूरसेनकाः । एष ब्रह्मर्षिदेशो वै ब्रह्मावतोद्गन्तव्यः ॥ M. 2, 19. कुरुक्षेत्रं प्रयागं च हिमाद्रिं विन्ध्यमन्तरा TRĠK. 2, 1, 6. = विनशन der Ort wo die grosse Schlacht der Kuru und Pāṇḍava geschlagen wurde 14. धर्मक्षेत्रं कुरुक्षेत्रं द्वादशयोजनावाधि H. 950. MBH. 1, 3739. 3, 5071. fgg. BHAG. 1, 1. SUND. 2, 26. HARIV. 1800. BHĠG. P. 9, 22, 4. कुरुकुरुक्षेत्र u. sg. das Land der Kuru und Kurukshetra P. 2, 4, 7, Sch. Vgl. Z. f. d. K. d. M. I, 351. III, 200. LIA. I, 92, N. 393, N. 2. REINAUD, Mém. sur l'Inde 287. — m. pl. N. pr. des daselbst wohnenden, wegen seiner Tapferkeit berühmten Volkstammes: कुरुक्षेत्रांश्च मत्स्यांश्च पञ्चालान् प्रूरसेनजान् । दीर्घास्त्रैर्वृक्ष नरानयनीकेषु योधयेत् ॥ M. 7, 193.

कुरुक्षेत्रिन् (adj. von कुरुक्षेत्र) in Verbindung mit योग das Zusammen- treffen dreier lunarer Tage, dreier Nakshatra und dreier Joga an einem Sonnentage SMṚTI im ÇKDR.

कुरुगार्हपत (कुरु + गा°) n. P. 6, 2, 42.

कुरुङ्ग m. N. pr. eines Fürsten NIR. 6, 22. RV. 8, 4, 19.

कुरुचर (कुरु + चर) f. ई, aber am Ende eines adj. comp. आ Sch. zu P. 4, 1, 14. 15. VOP. 26, 46.

कुरुचिह्न (कुरु + चि°) m. Krebs H. 1332. — Vgl. कुरुचिह्न.